COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. - L-154348/2024
Date 24/09/2024

# वैश्य समुदाय दृष्टिकोणात्मक संविधान: अधिकार, निर्देश, और कर्तव्य

**दानवीर, शूरवीर वैश्य शिरोमणि भामाशाह जी**

- लेखक: डॉ. पंकज कुमार, पटना, बिहार

(१ जून, २०२४)

Version: 1.0

## मूलभूत सिद्धांत:

- **आदर्श**: दानवीर, शूरवीर वैश्य शिरोमणि भामाशाह जी, विश्व के वैश्य समाज के लिए गर्व और बलिदान के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने देश और मातृभूमि के लिए अपनी सम्पूर्ण संपत्ति का त्याग किया । वैश्य समाज भामाशाह जी को अपना आदर्श मानता है। किसी भी शुभ कार्य में भामाशाह ज़ी की तस्वीर, मूर्ति हमेशा स्थापना की जाएगी । वे हमारे आराध्य एवं अतूल्य प्रेरणा की मूर्ति है ।
- **वैश्य की एकता और गर्व:** अपनी जाति और उपजाति के गौरव और सम्मान को संजोते हुए, हमें गर्व से अपने आप को वैश्य कहकर सम्बोधित करना चाहिए। आत्मविश्वास के साथ कहें, "हम सब वैश्य परिवार के गर्वित सदस्य हैं।"
- **ज्ञान और साक्षरता:** वैश्य समाज अपने बच्चों को उच्च शिक्षा तक पहुँचाए और कम से कम स्नातक तक की पढ़ाई कराए। समाज के सभी युवा छात्र मैनेजमेंट या MBA के समकक्ष पोस्ट ग्रेजुएशन (PG) करेंगे और कोशिश करेंगे की NDA, SSC, CA, BPSC/UPSC जैसी अच्छी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पा कर एडमिनिस्ट्रेटिव में ज़्यादा से ज़्यादा भागीदारी देश को दे सके ।
- **शिक्षा में निवेश:** वैश्य समाज शिक्षा में निवेश करें और अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दान करे। वे शिक्षा संस्थानों की स्थापना और सुधार में योगदान दें।

● **व्यावसायिक विकास**: व्यापार मेलों और सम्मेलनों का आयोजन करें, जहां वैश्य समुदाय के सदस्य अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित कर सकें।एक सामुदायिक सहायता कोष की स्थापना करें, जो नए व्यवसायों को प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करे। व्यापारिक संघों और क्लबों का गठन करें, जहां सदस्य एक-दूसरे के साथ विचार-विमर्श और सहयोग कर सकें। वैश्य समाज अपने व्यवसाय को देश के बाहर गरीब देशों में प्रचार-प्रसार करके उसे अधिक सक्षम बनाए।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. :-L-154348/2024
Date 24/04/2024

● **युवा नेतृत्व**: वैश्य समाज अपने युवाओं को नेतृत्व के गुण सिखाए और उन्हें नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करे। वे युवाओं को समाज और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करें।

● **तकनीकी विकास**: वैश्य समाज के सदस्य नई तकनीकों को अपनाएं और अपने व्यवसाय में तकनीकी विकास को बढ़ावा दें। इससे वे अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनेंगे। समाज अपने बच्चों को अपने व्यवसाय में शुरू से सम्मिलित कर भविष्य के लिए तैयार करेगा। डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को समझें और ऑनलाइन उपस्थिति बनाएं। वेबसाइट, सोशल मीडिया, और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों का उपयोग करें। सदस्यों को नई तकनीकों जैसे सॉफ्टवेयर (IT), और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण दें, जिससे उनके व्यापारिक कार्यों में कार्य क्षमता/ दक्षता बढ़े।

● **रोजगार सृजन**: वैश्य समाज रोजगार के नए अवसर सृजित करे। वे नए व्यवसायों की शुरुआत करें और दूसरों को भी रोजगार प्रदान करें।

● **राजनीतिक भागीदारी**: वैश्य समाज राजनीति में समानता और मजबूत भागीदारी के माध्यम से देश के विकास में योगदान दे। राजनीति में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए लगातार काम करना चाहिए ।

● **जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी:**

o हर वैश्य समाज की गोष्ठी में आमंत्रित सभी जन प्रतिनिधि को उस गोष्ठी में शामिल होना आवश्यक होगा । अगर लगातार चुने हुए जनप्रतिनिधि इन गोष्ठियों में उपस्थित नहीं रहते है तो, समाज उनको पूर्ण रूप से बहिष्कार करेगा तथा अगले चुनाव में उनका किसी प्रकार का समर्थन नहीं करेगा ।

० वैश्य समाज के चुने हुए सभी जनप्रतिनिधि को अपने कार्यकाल में वैश्य समाज की जीत के लिए लगातार काम करना चाहिए । उन्हें अपने दलगत महत्वाकांक्षाओं से उठकर वैश्य समाज को प्रोत्साहित तथा विकास हेतु प्रयत्नशील रहना चाहिए ।

● **दान और दानशीलता:** वैश्य समाज अपनी आय का एक छोटा हिस्सा हर महीने और निरंतर समाज में कल्याण और दान के रूप में समर्पित करे। वैश्य समाज हर तरह से अपने सदस्यों की सहायता करें और दुनिया की हर संकट और आपदा में खड़ा होकर लोगों की मदद करे।

COPYRIGHT ORRICE
NEW DELHI
Reg. No. -L-154348/2024
Date 24/04/2024

● **आपसी सम्मान:** वैश्य समाज के सदस्य एक-दूसरे का सम्मान करें और हर व्यक्ति की गरिमा को बनाए रखें। वे सहिष्णुता, समभाव और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दें।

● **बुजुर्गों का सम्मान:** वैश्य समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान करे और उनकी देखभाल करे। वे बुजुर्गों के अनुभव और ज्ञान का लाभ उठाएं और उन्हें समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानें।

● **महिला सशक्तिकरण:** वैश्य समाज अपनी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयास करे। वे महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और व्यवसाय में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें।

● **सामाजिक उत्थान:** वैश्य समाज अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे और अपने समुदाय के विकास में योगदान करे। वैश्य समाज के सदस्य किसी अन्य समाज के सदस्यों के साथ ईर्ष्या या व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की भावना से टाँग खींचने का काम नहीं करेंगे। ऐसा करना वैश्य समाज में घोर अपराध और बहुत बड़ा पाप समझा जाएगा । वे अपने समाज के बंधुओं को व्यापार और व्यवसाय में हमेशा प्रोत्साहित करेंगे और एकजुट होकर मिलकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे।

● **सामाजिक न्याय:** वैश्य समाज अन्याय के खिलाफ खड़ा हो और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए काम करे। वे समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें।

● **अत्याचार के खिलाफ खड़ा होना:** वैश्य समाज किसी भी वैश्विक स्थिति में अत्याचार के खिलाफ पूरी तरह से मिलकर खड़ा रहे और पूर्ण समर्थन दे। किसी भी वैश्य समाज के सदस्य पर हुए अत्याचार के खिलाफ पूरा का पूरा वैश्य समाज अपना पर्ण समर्थन देगा और एकजुट होकर समर्थन में खड़ा रहेगा।

● **समाज की विसंगतियों से दूरी:** वैश्य समाज कोशिश करेगा की समाज की विसंगतियों से ख़ुद को, अपने परिवार को तथा अपने बच्चों को दूर रखें । सभी समाज की विसंगतियाँ जैसे, ड्रग्स, मोबाइल- इन चीज़ों से अपने परिवार को दूर रखेगा और निश्चित करेगा की विसंगतियाँ परिवार में न फैले।

● **वैवाहिक दृष्टिकोण:** वैश्य समाज अपनी उप जातियों से ऊपर उठकर पूर्ण विलय के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगा । नई पीढ़ी किसी भी उपजाति जो वैश्य समाज के अंतर्गत आती हो, में विवाह करने को प्रोत्साहित करेंगे।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. -L-154348/2024
Date 24/04/2024

● **सांस्कृतिक परंपराएं:** वैश्य समाज भारतीय समाज के सांस्कृतिक त्योहारों और परंपराओं को अपने परिवार और समाज में अनुसरण करे। वैश्य समाज संयुक्त परिवार को हमेशा बढ़ावा देगा । बड़े-बुजुर्गों के बताये आशीर्वाद वचनों के रास्ते पर चलते जीवन निर्माण करेगा।

● **पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण:** वैश्य समाज पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखे। वे परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, सम्मान और सहयोग को प्रोत्साहित करें।

● **सामुदायिक सेवा:** वैश्य समाज सामुदायिक सेवा में सक्रिय रूप से भाग ले। वे सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करें और समाज के विकास में योगदान दें।

● **पर्यावरण संरक्षण:** वैश्य समाज पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करे। वे पेड़ लगाएं, पानी बचाएं और पर्यावरण को स्वच्छ रखें। वैश्य समाज पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाए। वे पर्यावरण संरक्षण, पुनर्चक्रण और टिकाऊ जीवन शैली को अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें।

● **भाषा और साहित्य:** वैश्य समाज अपनी भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित करे। वे साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करें और लेखन, कविता और साहित्यिक चर्चाओं को बढ़ावा दें।

● **आपदा प्रबंधन:** वैश्य समाज आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित हो और आपदा के समय अपने समुदाय की मदद करने के लिए तैयार रहे। वे आपदा प्रबंधन योजनाओं को विकसित करें और उनका अभ्यास करें।

## निर्देश सिद्धांत:

- **डिजिटल साक्षरता:** वैश्य समाज अपने सदस्यों को डिजिटल साक्षरता के महत्व को समझाएं और उन्हें नई तकनीकों और डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना सिखाए
- **लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में वैश्य समाज का दृष्टिकोण:** वैश्य समाज लोकसभा चुनाव के लिए सिर्फ़ एक पार्टी, जो वैश्य समाज को ज्यादातर टिकट देगी उसको पूरे देश में पूर्ण समर्थन देगा । तथा विधानसभा चुनाव में जो पार्टी वैश्य समाज को टिकट देगी उन सभी वैश्य उमीदवारो को बिना पार्टी देखे पूर्ण समर्थन देगा ।
- **नवाचार (Innovation)**: वैश्य समाज नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे। वे नए विचारों और तकनीकों को अपनाएं और अपने व्यवसाय को विकसित करने के लिए नए रास्ते तलाशें।
- **अनुसंधान और विकास:** वैश्य समाज अनुसंधान और विकास में निवेश करे। वे नए उत्पादों और सेवाओं के विकास के लिए अनुसंधान को प्रोत्साहित करें और नवाचार को अपनाएं।
- **सामाजिक उद्यमिता:** वैश्य समाज सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा दे। वे ऐसे व्यवसाय शुरू करें जो न केवल लाभ कमाएं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी प्रयास करें।
- **वित्तीय प्रबंधन:** वैश्य समाज अपने सदस्यों को वित्तीय प्रबंधन के बारे में शिक्षित करे। वे बचत, निवेश और खर्च के सही तरीके सिखाएं ताकि हर परिवार आर्थिक रूप से स्थिर हो सके।
- **त्योहार और समारोह:** वैश्य परिवार हर त्योहार और सामाजिक समारोह (सार्वजनिक बैठक, सामुदायिक सम्मेलन, गोष्ठी, शादी-विवाह, इत्यादि), में अपनी हैसियत के हिसाब से साफ़, सुथरा और अच्छे वस्त्र रूप में शामिल हो।
- **सांस्कृतिक कार्यक्रम:** वैश्य समाज सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करे और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखे। वे नाटकों, संगीत कार्यक्रमों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से अपनी संस्कृति को जीवित रखें।
- **धार्मिकता**: वैश्य समाज के सदस्य हर परिस्थिति में शनिवार को निकटवर्ती मंदिरों में आवश्यक तौर पर जाकर अपने पूज्य देवताओं के दर्शन अवश्य करें। इस अवसर का भरपूर उपयोग करके समुदाय को नेटवर्किंग, सहयोग और सामाजिक मेलजोल को सुदृढ़ करना चाहिए।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. :- L-154348/2024
Date 24/04/2024

- **आपसी सहयोग:** वैश्य समाज के सदस्य एक-दूसरे के साथ सहयोग करें और मिलकर काम करें। वे अपने समाज की एकता और अखंडता को बनाए रखें।
- **सामाजिक नेटवर्किंग को बढ़ावा:** वैश्य समाज अपने सभी सदस्यों को नेटवर्क के माध्यम से जानने, समझने और संपर्क में रहने की कोशिश करे। वैश्य समाज एक दूसरे संस्थान तथा व्यक्तियों के समाज को एक करने के प्रयासों पर सवाल उठाने के या अंगुली दिखाने के बजाए, अपने समाज नेटवर्क के माध्यम से लगातार समाज को मज़बूती प्रदान करने के लिए प्रयास करें तथा अपना योगदान देते रहेंगे।
- **सामुदायिक परियोजनाएं**: वैश्य समाज सामुदायिक परियोजनाओं का समर्थन करे। वे शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं में भाग लें और समाज के विकास में योगदान करें।
- **सामाजिक जागरूकता:** वैश्य समाज सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाए। वे पर्यावरण संरक्षण, बाल अधिकार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर अभियान चलाएं।
- **स्वास्थ्य और स्वच्छता:** वैश्य समाज के सदस्य अपने परिवार और समुदाय की स्वास्थ्य और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।
- **मानसिक स्वास्थ्य:** वैश्य समाज अपने सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे। वे तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और परामर्श सेवाओं को प्रोत्साहित करें।
- **खेल और फिटनेस:** वैश्य समाज खेल और फिटनेस को बढ़ावा दे। वे अपने सदस्यों को खेलकूद और व्यायाम में भाग लेने के लिए प्रेरित करें ताकि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें।
- **विवाह:** वैश्य समाज उपजाति से उठकर किसी भी उपजाति में विवाह को प्रोत्साहित करे।
- **पर्यावरण के प्रति कर्तव्य:** वैश्य समाज प्लास्टिक तथा प्लास्टिक से बने सामान का समर्थन नहीं करेगा तथा इसके प्रयोग को धीरे धीरे करके शून्य करेगा। सदस्य समाज में प्लास्टिक के प्रति होने वाले भयानक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति समाज को जागृत करेगा।

COPYRIGHT OFFICE
NEW DELHI
Reg. No. - L-154348/2024
Date 24/04/2024